एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कत परीक्षा

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5174 "

चतुर्थ प्रश्न पत्र: काव्य (गद्य एवं पद्य)

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. कादम्बरी (कथामुख) - बाण
2. नैषधीयचरित (तृतीय सर्ग) - श्री हर्ष
3. विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम संर्ग) - बिल्हण
4. कुमारसंभव (प्रथम सर्ग) - कालिदास
5. संस्कृत गद्य-पद्य-साहित्य-सर्वेक्षण

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	कादम्बरी (कथामुखपर्यन्त)
द्वितीय इकाई	-	नैषधीयचरित (तृतीय सर्ग मात्र)
तृतीय इकाई	-	विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम सर्ग मात्र)
चतुर्थ इकाई	-	कुमारसंभव (प्रथम, द्वितीय सर्ग-पर्यन्त)
पंचम इकाई	-	संस्कृत गद्य-पद्य-साहित्य का सर्वेक्षण

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

द्वितीय खंड

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) कादम्बरी (कथामुख भाग) से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) नैषधीयचरित (तृतीय सर्ग) से एक श्लोक की विकल्पपूर्वक व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछी जाएगी । **10** अंक

(ग) विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम सर्ग) से एक श्लोक की विकल्पपूर्वक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) कुमार संभव (प्रथम सर्ग) से किसी एक श्लोक की विकल्पपूर्वक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) संस्कृत गद्य एवं पद्य साहित्य से किसी एक कवि या कृति पर सामान्य परिचयात्मक लेख लिखने के लिए कहा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

1. बाणभट्ट की भाषा शैली, बाणभट्ट का वैदुष्य, महत्त्व तथा गद्य-लेखकों में उनका स्थान, उनके गद्य की विशेषताएँ आदि। नैषधीयचरित का संस्कृत महाकाव्यों में स्थान, श्रीहर्ष के कृतित्व का मूल्यांकन आदि।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15** अंक

2. नाट्यशास्त्र में वर्णित रस-व्याख्या -

विक्रमाङ्कदेवचरित की काव्यात्मक विशेषताएँ, विक्रमांक की समीक्षा, बिल्हण की प्रतिभा आदि का मूल्यांकन, कालिदास के काव्य की विशेषताएँ, संस्कृत महाकाव्यों में उनका स्थान, कुमारसंभव में कवित्व, प्रकृतिचित्रण, संस्कृत साहित्य की प्रमुख कृतियों का समीक्षात्मक विवेचन।

सहायक पुस्तकें -

1. कादम्बरी - एक सांस्कृतिक अनुशीलन - वासुदेव शरण अग्रवाल
2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन - अमरनाथ पाण्डेय
3. बाणजयन्तिनिबन्धावली - सम्पादक डॉ. श्रीधर वासुदेव सोहनी
4. बाण - आर.डी. कर्मारकर
5. बाणभट्ट - ए लिटरेरी स्टडी - डॉ. नीता शर्मा
6. नैषधपरिशीलन - चण्डिकाप्रसाद शुक्ल
7. विक्रमांकदेवचरित का साहित्यिक सर्वेक्षण - डॉ. प्रियतमचन्द्र
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास - कीथ अनु. मंगलदेव शास्त्री
9. ए हिस्ट्री आफ क्लासिकल संस्कृत लिट्रेचर - दे एवं दासगुप्ता
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय
11. संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास - डॉ. सूर्यकान्त
12. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा - डॉ. केशव मूलगांवकर
13. संस्कृतकविदर्शन - डॉ. भोलाशंकर व्यास
14. A Literary Study of the Naishadhiya Charita of Shriharsha - A.N.Jani
15. Historical Mahakavyas in Sanskrit - Chandra Prabha

****